अध्याय 21

सड़क सुरक्षा : शिक्षा

1. भूगोल : अपवाह (Drainage)

नक्शा पाठन एवं नौयात्रा कौशल प्राप्त करना

मुख्य राजधानी शहर जैसे दिल्ली, कोलकाता, चैन्नई या वित्तीय राजधानी मुंबई में जब मानसून आता है तब आवागमन स्थिर हो जाता है, पानी जमा हो जाता है और हर तरफ लम्बा जाम लग जाता है। दुर्घटनाएं होती हैं, महत्वपूर्ण कार्य व समय का नुकसान होता है तथा सड़क पर पानी भर जाता है। कभी–कभी करंट से मृत्यु भी हो जाती है। ये सभी अनचाहे हादसे मौसम के आनन्द को समाप्त कर देते है और यह तनाव, उग्रता चालक के लिए सड़क दुर्घटना का कारण बन जाता है। हमें भारत के जिम्मेदार नागरिक की तरह आलोचना करने के स्थान पर कुछ प्रभावशाली समाधानों के साथ पेश आना चाहिए।

प्रत्येक सड़क के दोनों ओर जमीन के सामान्य ढलान के अनुसरण में उथली, सँकड़ी/चौड़ी (क्षेत्र में मानसून की तीव्रता के अनुरूप) अपवाहों का निर्माण, फुटपाथ और मुख्य सड़क के बीच करना चाहिए। बच्चों को खतरा नहीं हो इसको ध्यान में रखकर अपवाहिका की गहराई रखी जानी चाहिए। इस प्रकार अपवाहिका का निर्माण सभी प्रकार की सड़कों, यथा– राष्ट्रीय राजमार्ग, रिंग रोड़, शहर को जोड़ने वाली सड़क आदि पर किया जाना चाहिए।

प्रत्येक सड़क के अंतिम छोर पर गहरा जलाशय बनाकर ठीक ढ़ंग से दिया जाना चाहिए। इस तरह हम **वर्षा जल संरक्षण** (Rain Water Harvesting) को सही मायने में सफल बना पाएंगे। ऐसे जमा पानी का उपयोग पानी की समस्या का हल करने के काम आएगा, जैसे विशेष स्थानीय क्षेत्र को गहरा बनाने के लिए जल का प्रयोग किया जा सकेगा तथा सामुदायिक निर्माण कार्य आदि में भी जल का प्रयोग किया जा सकेगा।

ट्रैफिक सिग्नल के कार्य करते समय लोगों को इन्तजार से उत्पन्न तनाव को कम करने के लिए सकारात्मक भावुक गीत जो सिग्नल के कार्य करते समय स्वचलित हों, सुनाए जाने चाहिए।

आपके घर से स्कूल जाने वाले मार्ग का नक्शा बनाईए। मानसून के समय समस्या वाले क्षेत्र को चुनिए तथा उस क्षेत्र की समस्या को हल करने के लिए सुझाव दीजिए।

अपने क्षेत्र के शहर/कस्बे/गांव की सड़कों की वर्षा ऋतु में उत्पन्न होने वाली किन्हीं तीन समस्याओं को जानिए तथा कक्षा वार्ता या लिखित कार्य के रूप में 3 प्रभावशाली समाधान के साथ समझाइए।

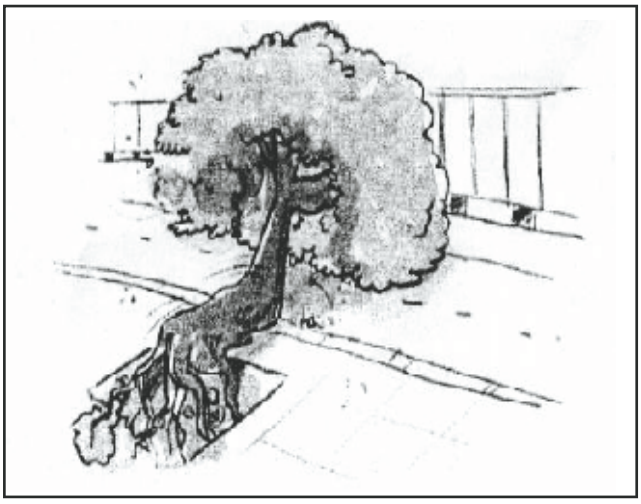

2. अर्थशास्त्र : निर्धनता

उद्देश्य

दुर्घटना को कम करने या सड़क पर होने वाले अनचाहे अपराध को रोकने के लिए समाज को उपलब्ध संसाधन के प्रति जागरूक करना।

विषयवस्तु : निर्धनता निरक्षरता की ओर ले जाती है। जिससे सड़क सुरक्षा कानून व नियमों के प्रति जागरूकता की कमी हो जाती है जो बच्चों व बड़ों की दुर्घटना का कारण बनती है।

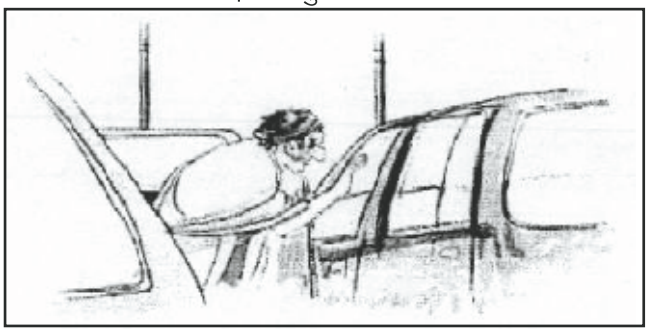

निर्धनता जन्म देती है मानव संसाधन के विकास की कमी व बेरोजगारी को (जहां बेरोजगारी, गरीबी का कारण होने के साथ इसका परिणाम भी है)। यह विवश करती है गरीबों के विशेष वर्ग को खास कर शहरी क्षेत्र के बच्चों को कि वे ट्रेफिक सिग्नल पर जाए। व कोमल सौम्य छोटी आयु में भीख मांगे। यह सामना कराती है उनका ट्रैफिक सिग्नल पर पूरे दिन वाहनों द्वारा छोड़े गये धुंए से जो उनके कमजोर शरीर को और अधिक कमजोर बनाती है। इसके अलावा अनावश्यक दुर्घटना का भी सामना करना पड़ता है। कभी–कभी अपशब्दों के कारण इनके शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य पर अत्यधिक प्रभाव पड़ता है।

''अक्टूबर 2012 में सरकार द्वारा अध्ययन व प्रसारित कानून में अंकित किया कि बच्चों का अपराध की तरफ जाने का मुख्य कारण गरीबी है। अध्ययन का शीर्षक था 'भारत में बच्चे 2012'–जिसमें कहा गया था कि गत वर्ष 33887 बच्चों में से 57%: बच्चे जो अपराध में शामिल थे, उन परिवारों से सम्बंधित थे जिनकी वार्षिक आय 25,000 से कम थी।'' आंकड़ें बताते है कि अधिकतर बच्चों ने अपराध, पैसों के लिए किया था।

निर्धनता व बेरोजगारी की समस्या के कारण कई आपराधिक मामलों के हादसे सड़क पर होते हैं, जैसे चेन/पर्स छीनना लड़कियों को छेड़ना, बलात्कार आदि। ऐसे समूह को सरकार द्वारा काण्ट्रेक्ट के आधार पर प्रभावशाली तरीके से रोजगार दिया जाता है। इनका कार्य पुलिस बल की कमी के कारण शहर व कस्बे में सहायता समूह के रूप में हो सकता है।

अभ्यास:

समाचार पत्र की कटिंग को जमा कीजिए या 5/10 ऐसी दुर्घटनाओं या अपराध लिखिए जो सड़क पर हुए हों तथा ऐसे मामले में सुझाव दीजिए की किस तरह इन हादसों से बचा जा सकता है।

गतिविधि:

स्थानीय संसाधनों की ऐसी सूची बनाइए जो उपलब्ध किये जा सकते हों जिससे स्थानीय अपराध को रोका जा सकता हो।

3.नागरिक शास्त्रः प्रजातान्त्रिक अधिकार

1. विद्यार्थियों को यह समझना चाहिए कि जिम्मेदार नागरिक होने के कारण दूसरों के अधिकार व उनके कर्त्तव्य का महत्व क्या है?

2. विद्यार्थियों को सड़क नियम की जानकारी देना।

जब हम जनतन्त्रात्मक अधिकार की बात करते हैं तो हमें यह समझना चाहिए कि अधिकार व कर्त्तव्य साथ–साथ चलते हैं। एक का अधिकार निश्चित रूप से दूसरे का कर्त्तव्य होता है।

उदाहरण के लिए जब हम यह मानते हैं कि सड़क पर गाड़ी चलाना हमारा अधिकार है तो हमें पैदल चलने वालों का भी ध्यान रखना चाहिए। हममें इतनी शिष्टता व नागरिक समझ होनी चाहिए कि हम सड़क नियम के अन्तर्गत दूसरों को भी रास्ता दें।

हमें इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि हम बड़ों विकलांग और बहुत छोटे बच्चों के प्रति भी सजग रहें। हमें घमण्ड से चूर नहीं होना चाहिए तथा वाहन को उच्च स्तर का प्रतीक नहीं मानना चाहिए। हमें गैर जिम्मेदारी का व्यवहार प्रोत्साहित नहीं करना चाहिए विशेषकर बड़े वाहन चालकों को।

जबकि हमें एक जिम्मेदार नागरिक की तरह समाज के प्रति सहनशील होना चाहिए तथा कार पूलिंग प्रणाली के प्रति संवेदनशील होना चाहिए।

1. क्या आप अपने विद्यालय के साथियों व अध्यापकों को बरामदे में चलते समय रास्ता देते है?

2. आप 'कार पूलिंग से क्या समझते है?

3. उपमार्ग (Subway) क्या है?

4. पेट्रोल की कीमत कैसे निर्धारित की जाती है। विशेष अन्तरराष्ट्रीय आर्थिक तत्व का नाम बनाइए।

****

1. विद्यार्थी परिषद बनाइए जो अपने विद्यालय के साथियों को शिक्षित करे और समझाएं कि स्कूल बस/वैन से घर लौटते समय सुरक्षा के लिए कौन–कौन सी सावधानियां रखनी चाहिए।

2. अपने शहर में पेट्रोल की कीमत जानिए तथा समूह बनाकर विचार–विमर्श कीजिए कि किस तरह ईंधन के प्रयोग में कमी की जा सकती है। इस अनमोल प्राकृतिक संसाधन को कैसे समाज को उपलब्ध कराया जा सकता है?

3.सुरक्षा के प्रति जागरूकता हमारा पहला ध्येय होना चाहिए।' अपने इस कथन को नीचे दिए गए चित्र के माध्यम से न्यायोचित कीजिए।